

पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका, पिंपरी - ४११ ०१८
आकाशचिन्ह परवाना विभाग

(मँन्युअल क्र. ४)

कामकाज पूर्तता करण्यासाठी विहित केलेले निकष

अक्र	कामकाजाचा तपशिल	अधिनियमातील तरतुद	अटी व शर्ती	नागरिकांकडून अपेक्षीत कागदपत्रे	कार्यालयाकडून होणारी कार्यवाही	कार्यवाहीस लागणारा कालावधी	शेरा
१	२	३	४	५	६	७	८
१	उद्योगधंदा परवाना	मुंबई प्रांतिक महानगरपालिक अधिनियम १९४९ मधील कलम ३१३ अन्वये कोणत्याही व्यक्तीने आयुक्तांच्या लेखी पूर्व परवानगीशिवाय, ज्यात वाफ, पाणी, विद्युत शक्ती किंवा अन्य यांत्रिक शक्ती यांचा उपयोग करण्याचे योजले असेल असा कोणताही कारखाना, कर्मशाळा किंवा कामाची जागा, किंवा कोणतीही बेकरी.	१). कोणत्याही जागेमध्ये नव्याने स्थापन करता कामा नये. २). एका जागेतून दूस-या जागेत हलवता कामा नये. ३). तीन वर्षांपेक्षा कमी नसेल इतक्या कालावधीसाठी बंद केल्यानंतर पुन्हा उघडता कामा नये किंवा तिचे नवीकरणकरता कामा नये, किंवा ४). तिचे क्षेत्रफळ किंवा आकार वाढविता कामा नये किंवा विस्तृत करता कामा नये. तसेच कोणत्याही व्यक्तीने अशा कोणत्याही कारखान्यात, कर्मशाळेत, कामाच्या जागेत किंवा बेकरीत काम करता कामा नये. किंवा काम करण्यास परवानगी देता कामा नये. परंतु, जर बंद ठेवल्याच्या कालावधीत असा कारखाना, कर्मशाळा किंवा बेकरी मुळात ज्या ठिकाणी स्थापन करण्यात आली असेल त्या ठिकाणी (३) च्या प्रयोजनासाठी अशा परवानगीची आवश्यकता असणार नाही.	१). अर्ज २). शॉपअॅक्ट लायसन्स/एस.एस.आय नोंदणीपत्र ३). १/१/२००१ पुर्वीची नोंद असलेला मनपा मालमत्ता उतारा / बांधकाम पुर्णत्वाचा दाखला व मनपा मालमत्ता उतारा ४). भाडेक्रू/ भागीदार असलेस मुळ मालकाचे संमतीपत्र/करारपत्र/ली० ह लॅन्ड लायसन्सपत्र. ५). प्रतिज्ञापत्र रु.१००/- चे स्टॅम्प वर नोटराईज्ड. ६). कच्च्या स्थळ दर्शक नकाशा. ७). झांपडपट्टीत असलेस झांनिपु ना हरकत दाखला आवश्यक व पक्त पिठ गिरणीस परवाना	ना. सु. कॅ. मधून पुर्णकागदपत्रांसह केस परवाना विभागात येते. सदरची फाईल लिपीकामार्फत कागदपत्राची छाणनी करून परवाना निरीक्षकाकडून प्रत्यक्ष जागेची तपासणी करणे कामी देणेत येते. परवाना निरीक्षक कंपनी प्रत्यक्ष तपासून त्याप्रमाणे अहवाल लिपीकाकडे देतात. अहवाल पात्र असल्यास व्यवसायधारकांना फी भरणेकामी कठविले जाते. संबंधितांनी फी भरल्यानंतर त्यांचा व्यवसाय परवाना	७ दिवस	

			<p>मिळेल.</p> <p>८). स्थळ पाहणी अहवाल आवश्यक आहे.</p> <p>९). पिठ गिरणी परवान्यासाठी मा.आरोग्य वैद्यकीय अधिकारी यांचे कडील अन्न परवाना आवश्यक.</p> <p>१०) ज्वलनशिल पदार्थ असल्यास अग्निशामक दलाचा ना हरकत दाखला.</p>	<p>तयार करून ना. सु. के. कडे पाठविता येतो.</p>			
२	व्यवसाय परवाना	मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ मधील कलम ३७६ (२) मधील तरतुदीनुसार व्यवसाय करण्यासाठी परवाना घेणे बंधनकारक आहे.	<p>१. परवान्याचे नुतनीकरण दरवर्षी ३० एप्रिलचे आत करून घेतले पाहिजे. नुतनीकरण न केल्यास होणाऱ्या विलंबास दरमहा परवाना शुल्काचे १०% विलंब शुल्क आकारणेत येईल.</p> <p>२. परवाना धारण करणार यांनी सदर परवाना हा व्यवसायाच्या जागी सहज दिसु शकेल अशा ठिकाणी लावला पाहिजे.</p> <p>३. परवाना धारण करणार यांनी व्यवसायाचे जागेत वाढ करणे असल्यास मनपा ची परवानगी घेतली पाहिजे.</p> <p>४. परवाना धारण करणार यांस व्यवसायाची जागा ही परवाना मुदतीत खाली करावयाची असेल</p>	<p>१) अर्ज २) शॉप ॲक्ट लायसन ३) र. रु. १००/- च्या स्टॅम्प पेपरवर नोटराईज प्रतिज्ञापत्र ४) १/१/२००९ पुर्वीचा नोंद असलेला मनपाचा मालमत्ता उतारा / बांधकाम पुर्णत्वाचा दाखला / बांधकाम सुरु करणेचा दाखला व</p>	<p>ना. सु. के. मधून पुर्ण कागदपत्रांसह केस परवाना विभागात येते. सदरची फाईल लिपीकामाफ्त कागदपत्राची छाणनी करून परवाना निरीक्षकाकडून प्रत्यक्ष जागेची तपासणी करणे कामी देणेत येते. परवाना निरीक्षक कंपनी प्रत्यक्ष तपासून त्याप्रमाणे अहवाल</p>	७ दिवस	

		<p>,पोटभाड्याने घ्यावयाची असेल, अगर सदर जागेचा ताबा सोडावयाचा असेल,तर त्यांनी आकाशचिन्ह व परवाना विभागास अर्जाद्वारे तात्काळ कळविले पहिजे.</p> <p>५. ज्या व्यक्तीच्या नावावर अगर त्या विशिष्ट जागेकरिता परवाना दिला असेल तो सहाय्यक आयुक्त (परवाना) यांचे लेखी परवानगीशिवाय बदलता येणार नाही.</p> <p>६. परवाना धारण करणार यांनी परवान्यात नमुद व्यवसायाचे जागे व्यतिरिक्त इतर जागेचा/ फुटपाथचा रस्त्याच्या वापर करु नये.</p> <p>७. सहाय्यक आयुक्त(परवाना) यांचे लेखी परवानगीशिवाय सदर जागी दुस-या कोणत्याही (परवाना घेणेत बंधनकारक असलेल्या वस्तुचा साठा विक्री व्यवसाय करु नये.</p> <p>८. व्यवसाय करणार यांची व्यवसाय जागेचा उपयोग मनुष्य वस्तीसाठी करु नये व्यवसायाचे जागेमध्ये स्वयंपाक अगर तत्सम</p>	<p>मनपा मालमत्ता उतारा / मालमत्ता उताऱ्यावर दिनांक - १/१/२००९ नंतरची नोंद असलेस गुंठेवारीमध्ये नियमितीकरण अर्ज सादर कैलेल्या अर्जाची पोहोच. ५) भाडेकरू / भागीदार असल्यास मुळ मालकाचे संमतीपत्र / करारपत्र / लिह अॅन्ड लायसन्स पत्र ६) कच्चा स्थळदर्शक नकाशा</p>	<p>लिपीकाकडे देतात. अहवाल पात्र असल्यास व्यवसायधारकांना फी भरणेकामी कळविले जाते. संबंधितांनी फी भरल्यानंतर त्यांचा व्यवसाय परवाना तयार करून ना. सु. के. कडे पाठविता येतो.</p>	
--	--	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--

कार्य करण्यासाठी कोणत्याही प्रकारची अग्नी ठेवु नये अगर पेटवू नये तसेच आग प्रतिबंधक साधने ठेवली पाहिजेत.

९. व्यवसायधारक यांनी (व्यवसाय) जागेची वेळचे वेळी साफ सफाई करून घ्यावी.

१०. मानवी जीवीतास, मालमत्तेस किंवा आरोग्यास धोका पोहोचेल, उपद्रव होईल, अशा रितीने परवाना धारण करणार यांनी परवान्यामध्ये नमुद केलेली जागा वापरली किंवा धंदा चालु ठेवला असे परवाना अधिकारी यांना आढळल्यास सदरचा परवाना तहकुब केला जाईल अथवा परत घेतला जाईल.

११. व्यवसाय करणार यांस ज्या जागेस व वस्तुस परवाना मिळाला असेल ती जागा व वस्तु परवाना धारण करणार यांनी अगर त्यांच्या वतीने काम पाहाणाराने मनपा च्या अधिकारी वर्गास व कर्मचारी वर्गास सदर (व्यवसाय) जागा व वस्तु ह्या तपासणी करून दिल्या पाहिजेत. तसेच साठ्याबाबतचे जरुर ते सर्व कागदपत्र व हिशेब

दाखवले पाहिजेत.

१२. परवान्याच्या मुदतीत काही
काळ व्यवसाय बंद ठेवला अगर
कायमचा बंद केला तर, सदर
कालावधीची भरलेली फी परत
मिळणार नाही.

१३. परवाना धारण करणार यांनी
परवान्याच्या मुदतीमध्ये परवान्या
बाबतच्या सर्व अटि व नियम यांचे
काटेकोरपणे पालन केले पाहिजे.
एखाद्या अटीचे, नियमाचे, परवाना
धारण करणार यांनी अथवा त्याचा
व्यवसाय चालवणार यांनी
उल्लंघन केले अगर पालन
करण्यास निष्काळजीपणा
दाखविला, तर परवाना रद्द केला
जाईल. व शिवाय त्याबद्दल
परवाना धारण करणार इसम
खटल्यास पात्र होईल.
१४. या परवान्याशिवाय इतर
आवश्यक ते शासकिय परवाने हे
धारण करण्याची जबाबदारी ही
व्यवसाय करणार यांचेवर राहील.

३	साठा परवाना	<p>मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण १४ मधील भाग १, २, ३, ४ मध्ये नमुद केलेल्या वस्तु ठेवणेसाठी (साठा करणेसाठी) परवान्याची आवश्यकता आहे.</p>	<p>१. परवान्याचे नुतनीकरण दरवर्षी ३० एप्रिलच्या आत करून घेतले पाहिजे अन्यथा होणा-या विलंबास दरमला परवाना शुल्काचे १०% विलंब शुल्क आकारण्यात येईल.</p> <p>२. परवाना धारण करणा-यांनी हा परवाना दुकानातील जागेत सहज दिसु शकेल अशा ठिकाणी लावला पाहिजे.</p> <p>३. परवाना धारण करणार यांनी परवान्यावर नमुद केलेल्या साठ्यापेक्षा जास्त साठा परवानगी शिवाय कोणत्याही वेळी करता कामा नये तसेच साठ्यासाठी अगर धंदयासाठी जास्त जागा गोदाम अगर खोल्या लागल्यास त्याकरिता त्यास जादा जागेचा परवाना मिळविण्यासाठी अर्ज करावा लागेल व तो त्यास देणेचे मान्य झालेस त्याकरिता वेळोवेळी ठरविण्यात आलेली फी त्यास भरावी लागेल.</p> <p>४. परवाना धारण करण्यास परवाना असलेल्या धंदयाची जागा दुकान, गोदाम परवान्याच्या मुदतीत रिकामी करावयाची असेल, पोटभाड्याने घ्यावयाची</p>	<p>१) अर्ज २) शॉपअॅक्ट लायसन / एस एस आय नोंदणीपत्र ३) दि १/१/२००९ पुर्वीचा नोंद असलेला मनपाचा मालमत्ता उतारा / बांधकाम पुर्णत्वाचा दाखला / बांधकाम सुरु करणेचा दाखला व मनपा मालमत्ता उतारा / मालमत्ता उताऱ्यावर दिनांक - १/१/२००९ नंतरची नोंद असलेस गुंठेवारीमध्ये नियमितीकरण अर्ज सादर केलेल्या अर्जाची पोहोच. ४) भाडेकरू / भागीदार असल्यास मुळ मालकाचे संमतीपत्र / करारपत्र / लिहू अॅन्ड लायसन्स पत्र</p> <p>५) र. रु. १००/-</p>	<p>ना. सु. कॅ. मधून पुर्ण कागदपत्रांसह केस परवाना विभागात येते. सदरची फाईल लिपीकामार्फत कागदपत्राची छाणनी करून परवाना निरीक्षकाकडून प्रत्यक्ष जागेची तपासणी करणे कामी देणेत येते. परवाना निरीक्षक कंपनी प्रत्यक्ष तपासून त्याप्रमाणे अहवाल लिपीकाकडे देतात. अहवाल पात्र असल्यास व्यवसायधारकांना फी भरणेकामी कळविले जाते. संबंधितांनी फी भरल्यानंतर त्यांचा व्यवसाय परवाना तयार करून ना. सु. कॅ. कडे पाठविता येतो.</p>	२० दिवस	
---	-------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------	--

		<p>असेल किंवा ताबा सोडावयाचा असेल तर, त्याप्रमाणे त्यांने आपला इरादा सहाय्यक आयुक्त (परवाना) यांचेकडे ताबोडतोब कळविला पाहिजे.</p> <p>५. ज्या व्यक्तिच्या नावावर अगर ती विशिष्ट जागा गुदाम अगर गुदाम यासाठी परवाना दिला असेल त्या व्यक्तिचे नाव जागा दुकान, गोदाम अगर गुदामे सहाय्यक आयुक्त (परवाना) यांचे लेखी परवानगी शिवाय बदलता येणार नाही.</p> <p>६. परवाना दिल्यानंतर परवान्यामध्ये नमुद केलेपेक्षा जास्त साठा किंवा परिमाण करावयाचे असेल, तर अशा जादा साठचाबद्दल त्या मुदतीसाठी परवाना मान्य इ गा लेस जादा फी घेऊन निराळा परवाना दिला जाईल हे दोन्ही परवाने पुढील वर्षी जरुर लागल्यास एकत्रित करणेत येतील.</p> <p>७. परवाना धारण करणा-यांनी परवान्यामध्ये नमुद केलेल्या जागेव्यतिरिक्त जागेबाहेर, रस्त्यावर अगर फुटपाथवर परवान्यामध्ये दिलेल्या वस्तु ठेवायाची नाही,</p>	<p>च्या स्टॅम्प पेपरवर नोटराईज हमीपत्र</p> <p>६) अग्निशामक विभागाचा ना हरकत दाखला</p> <p>७) कच्चा स्थळदर्शक नकाशा</p>		
--	--	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--	--

तसेच हातगाडी, छकडा, इतर कोणतेही वाहन रस्त्यावर अगर फुटपाथवर ठेवावयाचे नाही आणि वजनकाटा रस्त्यावर अगर फुटपाथवर वजन माप करावयाचे नाही.

८. सहाय्यक आयुक्त (परवाना) यांचे लेखी परवानगी शिवाय दुसऱ्या कोणत्याही (परवाना परिमाणवर हुक्म) परवाना घेणे जरुर असलेल्या वस्तु किंवा पदार्थ तयार करण्यास, भरण्यास, स्वच्छ करण्यास अगर साठा करणेंस बंदी राहील.

९. परवाना धारण करणार यांनी परवानान्यामध्ये नमुद केलेल्या जागेवर दुकानाचा, जागेचा अगर गुदामाचा उपयोग निवासासाठी करावयाचा नाही.

१०. परवाना धारण करणा-यांनी परवानान्यामध्ये नमुद केलेल्या जागेत घाण होणार नाही किंवा केरकचरा साठणार नाही याबाबत जरुर ती दक्षता घेतली पाहिजे वेळोवेळी साफ करून स्वच्छ ठेवली पाहिजे तसेच इमारतीच्या भितीच्या आतील बाजुस कडीपाट वगैरे वर्षातुन दोन वेळा परवाना

अधिकारी सांगतील तेव्हा पुर्णपणे
रंग रफेद करून स्वच्छ ठेवल्या
पाहिजेत इमारतीची गटारे पुर्णपणे
सुस्थीतीत व कार्यक्षम ठेवली
पाहिजेत.

११. परवाना अधिकारी यांनी
वेळोवेळी कळविल्याप्रमाणे परवाना
दिलेल्या जागी मानवी
जीवीत, मालमत्ता व आरोग्य यांना
धोका किंवा उपसर्ग पोहचणार
नाही किंवा शेजारील लोकांना
जनतेला त्रास, उपद्रव अगर
गैरसोय होणार नाही अशा
प्रकारची योग्य व कार्यक्षम साधने
वापरली पाहिजेत अगर उपाय
योजना केल्या पाहिजेत.

१२. मानवी जीवीत मालमत्ता किंवा
आरोग्य यास धोका पोहोचेल अगर
त्रास किंवा उपद्रव होईल अशा
रितीने परवाना धारण करणा-यांनी
दिलेली जागा वापरली अगर धंदा
चालु ठेवला. असे परवाना
अधिकारी यांना आढळून आल्यास
सदरचा परवाना तहकुब केला
जाईल अगर परत घेतला जाईल.
१३. ज्या जागेस, दुकानास अगर
साठा करणा-या गुदामास व ज्या

वस्तुस परवाना मिळाला असेल त्या
वस्तु दुकान व गुदाम परवाना
धारण करणाराने अगर त्यांच्या
वतीने काम पाहणा-या इसमाने
महानगरपालिकेच्या कोणत्याही
अधिकृत अधिका-यास ज्या वेळी
जरुर असेल त्या वेळी तपासणी
करण्यास मोकळी ठेवली पाहिजे
आणि जरुर तो जमाखर्च व
कागदपत्र दाखविले पाहिजेत.

१४. परवाना मुदतीत काही
कारणाने काजी काळ धंदा अगर
परवाना तहकुब केला व त्यामुळे
परवाना काढून घेतला तर परवाना
काढून घेतलेल्या मुदतीची परवाना
फी परत दिली जाणार नाही.

१५. परवाना धारण करणार यांनी
परवान्यामध्ये नमुद केलेल्या
जागेव्यतिरिक्त रस्त्यावर अगर
फुटपाथवर, तेलाने भरलेले अगर
रिकामे ड्रम्स, बाटल्या किंवा इतर
साधने ठेवू नये किंवा ठेवण्यास
परवानगी देऊ नये.

१६. खोबरे, गळीताची धान्ये व
सरकी यांच्या भरलेल्या पोत्यांची
रचना नीट व व्यवस्थित रितीने
करून पोत्याच्या थप्प्या सहज

रितीने दिसतील अशा लावुन
ठेवाव्यात . साठा कडीकपाटापर्यंत
किंवा छपरापर्यंत करून नये.

१७. परवाना धारण करणार यांनी
आगपेट्यांचा सर्व साठा लोंखंडी व
जस्ताच्या आच्छादनात अगर
पेट्यांत ज्वालाग्राही किंवा त्वरीत
पेट घेणा-या वस्तु व पदार्थ
यापासुन अलग ठेवला पाहिजे.

१८. परवाना धारण करणार यांनी
आगपेट्या ठेवलेल्या साठ्याच्या
ठिकाणी कुठल्याही परिस्थितीत
उघड्या ज्योतीचा दिवा किंवा
प्रकाश न्यावयाचा नाही किंवा नेऊ
द्यावयाचा नाही धुक्रपान करण्यास
बंदी राहील.

१९. आगपेट्याच्या बंडलाचा साठा
कडीकपाटापर्यंत किंवा छपरापर्यंत
करता कामा नये साठ्यातील
बंडलाच्या प्रत्येक रांगेमध्ये एक
फुट अंतर ठेवले पाहिजे.

२०. केरोसीन व सर्व इतर तेले न
जळणा-या भक्कम अशा झ्रम्स
किंवा भांड्यामध्ये पक्क्या रितीने
बंद करून ठेवली पाहिजेत. व
सदरील भांडी किवा झ्रम्स त्वरीत
पेट न घेणा-या वस्तुची बनवली

		<p>पाहिजेत.</p> <p>२१. परवाना धारण करणर यांनी आगप्रतिबंधक उपायाकरिता परवान्यातील साठच्याच्या आजेजवळच वाळुने व पाण्याने भरलेल्या बादल्या पिंपे व इतर सोयीस्कर भांडी पुरेशा संख्येने ठेवली पाहिजेत.</p> <p>२२. परवाना धारण करणार यांनी साठच्याच्या जागी किवा ठेवलेल्या भांडयाच्या ठिकाणी अनाधिकृत इसमास जाऊ न देण्याची खबरदारी घेतली पाहिजे</p> <p>२३. परवाना धारण करणार यांनी परवान्याच्या मुदतीत परवान्याबाबत सर्व अटी व नियम काटेकोरपणे पाळले पाहिजेत जर एखाद्या अटीचे अगर नियमाचे परवाना धारण करणार यांनी अगर त्यांच्या वतीने धंदा करणाराने उल्लंघन केले अगर पालन करण्यात निष्काळजीपणा दाखविला तर परवाना रद्द केला जाईल. शिवाय परवाना धारण करणारा शिक्षेस व खटल्यास पात्र होईल.</p> <p>२४. परवाना धारण करणार यांनी परवाना अधिकारी यांनी ठरवुन</p>		
--	--	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--	--

		दिलेल्या नमुन्यामध्ये भेटपुस्तक ठेवले पाहिजे व ते परवाना अधिकारी यांना वेळोवेळी त्यांच्या भेटीच्या वेळी दाखविले पाहिजे.			
--	--	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--	--	--

४	आकाशचिन्ह परवाना	<p>महानगरपालिका हृदीमध्ये प्रदर्शित करणेत येणाऱ्या जाहिरातींना मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ मधील कलम २४४ नुसार परवानगी देणेत येते.</p>	<p>१. परवाना धारण करणा-याने अप्रकाशित आकाशचिन्ह मा. सहा आयुक्त (परवाना) मा.शहर अभियंता यांनी वेळोवेळी दिलेल्या सुचना व पसंतीप्रमाणे लावले/उभारलेले/ठेवले पाहिजे. तसेच ते नेहमी नीटनेटके व व्यवस्थीत रितीने ठेवलेले असले पाहिजे.</p> <p>२. होर्डिंगकरिता आकाशचिन्हाचे खांब किंवा इतर आधार पोलादी अगर मजबूत ४ x४ जाडिच्या लाकडाचे असले पाहिजेत व ते योग्य रितीने रंगवून जमिनित भक्कम पुरलेले असले पाहिजेत.</p> <p>३. हा परवाना कोणत्याही वेळी मा महानगरपालिका आयुक्त,मा.सहा आयुक्त (परवाना) मा शहर अभियंता परवाना अधिक्षक तपासणी करण्या-या महानगरपालिकेच्या अधिका-याने मागणी केली असता दाखवला पाहिजे.</p> <p>४.मा.महानगरपालिका आयुक्त मा सहा आयुक्त (परवाना) अधिक्षक,परवाना विभाग अथवा महानगरपालिकेचे अधिकारी यांना</p>	<p><u>अ) आकाशचिन्ह परवाना देणेकामी</u> <u>अर्जासोबत घ्यावयाची</u> <u>कागदपत्रे</u></p> <p>१) आकाशचिन्ह उभारण्याचा विहीत नमुन्यातील मागणी अर्ज (प्रत्येक जाहिरात फलकासाठी स्वतंत्र आवश्यक)</p> <p>२) जाहिरात फलक उभारण्यास प्रस्तावित केलेले ठिकाण दर्शविणा-या जागेचा नकाशाच्या ३ प्रति (स्वाक्षरीसहित)</p> <p>३) ज्या जमिनीवर जाहिरात फलक उभारणेत येणार आहे त्या जमिनीच्या मालकाची लेखी परवा- नगी (र रु १००/- च्या स्टॅम्प पेपरवर ना हरकत प्रमाणपत्र)</p> <p>४) मालकी हक्काबाबत पुरावा मुळ उतारा किंवा सत्यप्रत</p>	<p>ना. सु. कें. मधून पुर्ण कागदपत्रांसह केस परवाना विभागात येते. सदरची फाईल लिपीकामार्फत कागदपत्राची छाणनी करून परवाना निरीक्षकाकडून प्रत्यक्ष जागेची तपासणी करणे कामी देणेत येते. परवाना निरीक्षक कंपनी प्रत्यक्ष तपासून त्याप्रमाणे अहवाल लिपीकाकडे देतात. अहवाल पात्र असल्यास व्यवसायधारकांना फी भरणेकामी कळविले जाते. संबंधितांनी फी भरल्यानंतर त्यांचा व्यवसाय परवाना तयार करून ना. सु. के. कडे पाठविण्यात येतो.</p>	३० दिवस	
---	-----------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------	--

		<p>संबंधि आकाशचिन्हाची तपासणी करण्याकरिता पुर्ण अवसर व जरुर ती साधने दिली पाहिजेत.</p> <p>५. कोणत्याही मालमत्तेस किंवा कोणही इसमास सदर आकाशचिन्ह पडल्यामुळे किंवा अन्य काहि कारणांमुळे आकाशचिन्हापासुन धोका किंवा नुकसानी पोहोचल्यास त्यांची सर्व जबाबदारी परवाना धारण करणारावर आहे व जरुर त्यासंबंधि इसमांना नुकसानभरपाई देण्यास तो जबाबदार राहील.</p> <p>६. खपैकी काणतारी प्रसंग व गोष्टी घडल्यास परवाना त्या दिनांकापासुन रद्द करण्यात आला आहे असे समजले पाहिजे.</p> <p>अ) मा शहर अभियंता यांच्या हुक्मान्वये आकाशचिन्ह मजबूत करण्याच्या कारणाकरिता असेल त्याशिवाय त्यात कोणतीही वाढ करण्यात आली असेल तर.</p> <p>ब) आकाशचिन्हात किंवा त्याच्या कोणत्याही भागात कोणताही बदल केला असेल तर.</p> <p>क) अपघाताने ,कुजण्याने किंवा इतर कोणत्याही कारणामुळे</p>	<p>(६ महिन्याचे आतील ७/१२ उतारा/इडेक्स २ उतारा/ मालमत्ता कार्ड)</p> <p>५) संरचना अभियंताने काढलेले जाहिरात फलकाचे संकल्प चित्र (मान्यताप्राप्त स्ट्रक्चर इंजिनिअरचे स्ट्रक्चर डिझाईन)</p> <p>६) मुख्य उद्यान अधिक्षक यांचेकडील ना हरकत प्रमाणपत्र</p> <p>७) संबंधित प्रभाग कार्यकारी अभियंता यांचा अभिप्राय</p> <p>८) जाहिरात फलक इमारतीवर असल्यास भोगवटा पत्रक</p> <p>ब) परवाना मंजुरी ठंतर १५ दिवसात घ्यावयाची कागदपत्रे</p> <p>९) मान्यताप्राप्त स्ट्रक्चरल इंजिनिअरचा स्टेबिलीटीबाबतचा दाखला मुळ प्रत</p> <p>२) र रु १००/- चे स्टॅम्प पेपरवर नोटराईज्ड</p>		
--	--	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--	--

		<p>आकाशचिन्ह किंवा त्याचा कोणताही भाग पडेल तर. ३) ज्या इमारतीवर किंवा इमल्यावर आकाशचिन्ह उभारलेले/ठेवलेले असेल त्या इमारतीत किंवा इमल्यात आकाशचिन्ह किंवा त्याचा कोणताही भाग हलविला जाईल अशी कोणतीही वाढ किंवा फेरफार केलेला असेल तर ४) ज्या इमारतीवर किंवा इमल्यावर आकाशचिन्ह उभारलेले/लावलेले/ठेवलेले असेल ती इमारतीत किंवा तो इमला भोगवट्यात नसेल,पाडण्यात येईल किंवा नाश करण्यात येईल तर.</p> <p>५) मा.महापालिका आयुक्त किंवा परवाना घेणारे अधिकारी यांना सदरचा परवानाकोणत्याही वेळी काहीही कारण न दाखविता रद्द करण्याचा अधिकार व परत घेण्याचा अधिकार आहे. असा परवाना रद्द केल्याबाबत किंवा काढून घेतल्याबाबत परवाना धारण करणारास नोटीसीने कळविलेल्या दिनांकापासुन नोटभ्सीत दिलेल्या मुदतीत परवाना दिलेल्या</p>	हमीपत्र ३) कर,फी भरणा पावती (सत्यप्रत)		
--	--	-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------	--	--

जागेवरुन आकाशचिन्ह हलवुन ती
जागा खुली केली पाहिजे. तसे न
केल्यास महानगरपालिकेकडुन
आकाशचिन्ह काढले जाईल व
येणारा खर्च परवाना धारण
करणाराकडुन वसुल केला जाईल.
८) कोणत्याही कारणास्तव हा
परवाना रद्द झाला, किंवा काढुन
घेण्यात आला तर त्याबद्दल या
परवान्यामध्ये असलेल्या फी अगर
इतर काही येणे रकमेबाबत मा
महापालिका आयुक्त यांना
असलेल्या अधिकारास बाध येणार
नाही तसेच परवाना धारण
करणारास याबाबत हा परवाना रद्द
केल्यावर किंवा काढुन घेतल्यावर
फी किंवा इतर कोणत्याही
भरलेल्या रकमेपैकी रिफंड
मिळणार नाही.
९) या परवान्याची मुदत संपत्ताच
परवाना धारण करणाराने सदरहु
आकाशचिन्ह काढुन टाकले
पाहिजे. परंतु मुदत संपत्ताच त्याची
मुदतवाढ करून न घेतल्यास किंवा
तसे करावयाचे राहिल्यास परवाना
देणा-या अधिका-यास ते
काढण्याकिरता मर्जीनुरुप उपाय

योजना करण्याचा आणि
महानगरपालिकेचे अधिकारी किंवा
सेवक यांना सदर आकाशचिन्ह
असलेल्या ठिकाणी प्रवेश करण्याचा
अधिकार राहील. अशा कामी जो
खर्च येईल तो परवाना धारण
करणाराने दिला पाहिजे. न
दिल्यास तो खर्च त्याच्याकडुन
कलम ४३८ प्रमाणे वसुल केला
जाईल.

१०) हा परवाना परवान्यामध्ये नमुद
केलेल्या कालमर्यादेपुरताच चालु
राहील सदरपेक्षा कालमर्यादा
वाढवुन घेणे असल्यास मुदत
संपण्याच्या पुर्वी एक महिना नवीन
अर्ज करावा लागेल व ती त्यास
वाढवुन देण्याचे झाल्यास
मुदतवाढीकरिता जरुर ती फी
त्यास भरावी लागेल. मुदतीत अर्ज
न केल्यास त्याबद्दल योग्य तो दंड
व फी घ्यावी लागेल.

११) हा परवाना परवाना देणा-या
अधिका-याच्या लेखी
परवानगीशिवाय दुस-या कोणाही
इसमाच्या नावावर बदलुन देता
येणार नाही.

१२) या परवान्याच्या आधारे दुस-

याच्या मालकी जागेमध्ये त्या
जागेच्या मालकाच्या
परवानगीशिवाय आकाशचिन्ह
लावता/उभारता/ठेवता येणार नाही.
१३) आकाशचिन्ह रस्त्यामध्ये
/आडवे/टांगते किंवा लोंबते
ठेवावयाचे असल्यास ते रस्त्याच्या
पृष्ठभागापासुन २० फुट उंचीच्या
खाली असता कामा नये
त्याचप्रमाणे रस्त्यावरील रहदारीस
किंवा टेलिफोनच्या तारांस
त्यापासुन अडथळा होता कामा
नये.
१४) परवाना धारण करणाराने
परवान्याच्या मुदतीत
परवान्याबाबतच्या सर्व अटी व
नियम काटेकोरपणे पाळले
पाहिजेत आणि जर परवाना धारण
करणाराने किंवा त्याच्या वतीने
काम पाहणाराने एखाद्या अटीचे
किंवा नियमाने उल्लंघन केले तर
किंवा पालन करण्यास त्याने
निष्काळजीपणा दाखविला तर
परवाना रद्द केला जाईल. शिवाय
त्याबद्दल परवाना धारण करणारा
कायदेशीर इलाज करण्यास पात्र
होईल.

		<p>१५) आकाशचिन्ह परवाना धारण करणाराने ज्या ठिकाणच्या ज्या फलकासाठी परवाना घेतला असेल. त्या फलकावर खालील बाजुस उजव्या कोप-यात परवाना क्रमांक व दिनांक लिहिलेला असावा. परवाना क्रमांक लिहिला नसलेला जाहिरात फलक अनाधिकृत समजुन काढुन टाकणेत येईल.</p>			
--	--	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	--	--	--

